PDF

Vedantu
Learn LIVE Online

JAB SAARA INDIA
VEDANTU PE ONLINE PADHEGA

Vedantu Scholarship Admission Test

- WIN an assured Scholarship upto 100%
- Take the Online Test from the comfort of your home
- It's Absolutely FREE
- For Class 6-12 | CBSE | ICSE | JEE | NEET

Register **NOW**

Limited Seats!

BEST RESULTS
FROM ONLINE CLASSES

JEE Adv.

548 RANKS ACROSS INDIA | **268** RANKS IN TOP 10K | **1 OUT OF 3** STUDENTS WHO CLEARED JEE MAINS SECURED A RANK IN JEE ADVANCED

Mumbai se
Dhruv Rambhia
AIR 43

Panchkula se
Madhav Goel
AIR 208

Gurugram se
Tanmay Gangwar
AIR 227

NEET

27 STUDENTS SCORED ABOVE 600 | **46** STUDENTS SCORED ABOVE 550

Patiala se
Shaurya Bhatia
682/720

Maharashtra se
Anjaney Pandey
670/720

Surat se
Tanishi Bhatt
670/720

12TH Boards

157 Students Scored above 90% in 12th

Lucknow se
Arya Verma
98.40%

Jharkhand se
Akshat Kumar
98.20%

Dubai se
Navya Ratnan
98.00%

10TH Boards

171 Students Scored above 90% in 10th

Chennai se
Meera Ranjan
98.8%

Jhajjar se
Ayush Singh
98.2%

Patna se
Shambhavi Sinha
98.2%

State Boards

Malappuram se
Senin Ahammed
100%

Rajahmundry se
Reshma M
99.4%

Dahod se
Ummehani N
97.92%

Vedantu Scholarship Admission Test

- WIN an assured Scholarship upto 100%
- Take the Online Test from the comfort of your home
- It's Absolutely FREE
- For Class 6-12 | CBSE | ICSE | JEE | NEET

Register NOW

Limited Seats!

W W W . V E D A N T U . C O M

CBSE 2020

Grade 10

Hindi A

Series: JBB/5 **SET - 1**

Code No. 3/5/1

परीक्षार्थी कोड को उत्तर - पुस्तिका के मुख -पृष्ठ पर अवश्य लिखे।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर "पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 13 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है | प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.75 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (अ)

निर्धारित समय: 3 घण्टे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनु पालन कीजिए:

1. प्रश्न-पत्र चार खण्डों में विभाजित किया गया है - क, ख, ग एवं घ। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. **खण्ड क** में प्रश्न अपगित अपठित गघांश पर आधारित हैं।
3. **खण्ड ख** में प्रश्न संख्या 2 से 5 तक प्रश्न व्याकरण के हैं।
4. **खण्ड ग** में प्रश्न संख्या 6 से 10 तक प्रश्न पाठ्य पुस्तकों से हैं।
5. **खण्ड घ** में प्रश्न संख्या 11 से 13 तक प्रश्न रचनात्मक लेखन के हैं।
6. यथासंभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
7. उत्तर सक्षिप्त तथा क्रामिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए।
8. प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोर्ड विकल्प नहीं है| तथापि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । ऐसे प्रश्नों में से केवल एक ही विकल्प का उत्तर लिखिए।
9. इसके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

लाखों वर्षों से मधुमक्खी जिस तरह छत्ता बनाती आई है वैसे ही बनाती है। उसमें फेर-बदल करना उसके लिए संभव नहीं है। छत्ता तो त्रुटिहीन बनता है लेकिन मधुमक्खी अपने अभ्यास के दायरे में आबद्ध रहती है | इस तरह सभी प्राणियों के संबंध में प्रकृति के व्यवहार में साहस का अभाव दिखाई पड़ता है । ऐसा लगता है कि प्रकृति ने उन्हें अपने आँचल में सुरक्षित रखा है। उन्हें विपत्तियों से बचाने के लिए उनकी आतंरिक गतिशीलता को ही प्रकृति ने घटा दिया है।

लेकिन सृष्टिकर्ता ने मनुष्य की रचना करने में अदभुत साहस का परिचय दिया है। उसने मानव के अंतःकरण को बाधाहीन बनाया है। हालाँकि बाह्य रूप से उसे विवस्त्र, निरस्त्र और दुर्बल बनाकर उसके चित्त को स्वच्छंदता प्रदान की है। इस मुक्ति से आनंदित होकर मनुष्य कहता है - "हम असाध्य को संभव बनाएँगे । "अर्थात् जो सदा से होता आया है और होता रहेगा, हम उससे संतुष्ट नहीं रहेंगे । जो कभी नहीं हुआ, वह हमारे द्वारा होगा | इसीलिए मनुष्य ने अपने इतिहास के प्रथम युग में जब प्रचंडकाय प्राणियों के भीषण नखदंतों का सामना किया तो उसने हिरण की तरह पलायन करना नहीं चाहा, न कछुए की तरह छिपना चाहा । उसने असाध्य लगने वाले कार्य को सिद्ध किया - पत्थरों को काटकर भीषणतर नखदंतों का निर्माण किया। प्राणियों के नखदंत की उन्नति केबल प्राकृतिक कारणों पर निर्भर होती है। लेकिन मनुष्य के ये नखदंत उसकी अपनी सृष्टि क्रिया से निर्मित थे। इसलिए आगे चलकर उसने पत्थरों को छोड़कर लोहे के हथियार बनाए। इससे यह प्रमाणित होता है कि मानवीय अंतःकरण संधानशील है। उसके चारों ओर जो कुछ है उस पर हीं वह आसक्त नहीं हो जाता। जो

उसके हाथ में नहीं है उस पर अधिकार जमाना चाहता है। पत्थर उसके सामने रखा है पर वह उससे संतुष्ट नहीं। लोहा धरती के नीचे है, मानव उसे वहाँ से बाहर निकालता है। पत्थर को घिसकर हथियार बनाना आसान है लेकिन वह लोहे को गलाकर, साँचे में डाल ढालकर, हथौड़े से पीटकर, सब बाधाओं को पार करके, उसे अपने अधीन बनाता है। मनुष्य के अंतःकरण का धर्म यही है कि वह परिश्रम से केवल सफलता ही नहीं बल्कि आनंद भी प्राप्त करता है।

(क) मनुष्य की भीतरी और बाहरी बनावट किस प्रकार की है? **[2]**

(ख) 'असाध्य को संभव' बनाने का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिए | **[2]**

(ग) मनुष्येतर प्राणियों की रचना में 'प्रकृति के साहस का अभाव' का क्या आशय है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(घ) मनुष्य ने लोहे के हथियार पाने के लिए क्या मेहनत की और क्यों? **[2]**

(न) परिश्रम से क्या प्राप्त होता है? **[1]**

(च) उपयुक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **[1]**

खण्ड ख

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए: **[1x4=4]**

(क) सब कुछ हो चुका था, सिर्फ नाक नहीं थी।

(रचना के आधार पर वाक्य-भेद पहचानकर लिखिए)

(ख) थोड़ी देर में मिठाई की दुकान बढ़ाकर हम लोग घरौंदा बनाते थे।

(मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए)

(ग) जब हम बनावटी चिड़ियों कों चट कर जाते, तब बाबूजी खेलने के लिए ले जाते।

(आश्रित उपवाक्य पहचानकर लिखिए और उसका भेद भी लिखिए)

(घ) कानाफूसी हुई और मूर्तिकार को इजाज़त दे दी गई।

(सरल वाक्य में बदलिए)

3. निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन करके लिखिए: **[1x4=4]**

(क) कैपटन चश्मा बदल देता था। (कर्मवाच्य मे)

(ख) इस दिन दालमंडी में शहनाई बजाई जाती थी। (कर्तृवाच्य में)

(ग) वे आज रात यहीं ठहरेंगे। (भाववाच्य में)

(घ) अब सोया नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में)

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए:

(क) किसी का ताज़ा चित्र **नहीं** छपा था।

(ख) तीसरी बार फिर से **नया** चश्मा था।

(ग) यह सब मैंने केवल **सूना**।

(घ) मान लीजिए कि पुराने जमाने में एक भी **स्त्री** पढ़ी-लिखी न होती।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **[1x4=4]**

(क) 'वीर रस' का एक उदाहरण लिखिए।

(ख) घृणा के भाव उत्पन्न करने वाले काव्य में कौन-सा रस होगा?

(ग) 'श्रृंगार रस' के दो भेद कौन-से हैं?

(घ) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचानकर रस का नाम लिखिए:

वह लता वहीं की, जहाँ कली
तू खिली, स्नेह से हिली, पली
अंत भी उप्ती गोद में शरण
ली, मूँदे दृग वर महामरण!

(७) उद्दीपन किसे कहते हैं?

खण्ड ग

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **[2x3=6]**

खाँ साहब को बड़ी शिद्धत से कमी खलती है । अब संगतियों के लिए गायकों के मन में कोई आदर नहीं रहा। खाँ साहब अफ़सोस जताते हैं । अब घंटों रियाज़ को कौन पूछता है? हैरान हैं बिस्मिलला खाँ। कहाँ वह कजली, चैती और अदब का ज़माना?

सचमुच हैरान करती है काशी-पक्का महाल से जैसे मलाई बरफ़ गया, संगीत, साहित्य और अदब की बहुत सारी परंपराएँ लुप्त हो गईं। एंक सच्चे सुर-साधक और सामाजिक की भाँति ब्रिस्मिलला खाँ साहब को इन सबकी कमी खंलती है। काशी में जिस तरह बाबा विशवनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक-दूसरे के पूरक रहे हैं, उसी तरह मुहर्रम-ताज़िया और 'होली-अबीर, गुलाल की गंगा-जमुनी संस्कृति भी एक-दूसरे के पूरक रहे हैं।

(क) संगीत की कौन-सी परंपराएँ बदलते समय के अनुसार विलुप्त हो गईं?

(ख) बाबा विशवनाथ और बिस्मिल्ला खाँ को एक-दूसरे का पूरक क्यों कहा गया है?

(ग) “गंगा-जमुनी संस्कृति” से आप क्या समझते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 - 40 शब्दों में लिखिए: **[2x4=8]**

(क) हालदार साहब और कैप्टेन के चरित्र की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) “पतनशील सामंती समाज झूठी शान के लिए जीता है” - “लखनवी अंदाज़’ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) “भगत की पुत्रवधू और भगत दोनों एक-दूसरे की हित-चिंता में ज़िद्द पर अड़े थे” - पुष्टि कीजिए।

(घ) मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर इलाहाबाद के साहित्यिक परिवेश का वर्णन कीजिए।

(न) “विद्यार्थी जीवन में योग्य शिक्षक सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक होते हैं” – ‘एक कहानी यह भी‘ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **[2x3=6]**

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि - धूसर तुम्हारे ये गात
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,

पिघलकर जल बन गया होगा क़ठिन पाषाण

छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल

बाँस था कि बबूल?

तुम मुझे पाए नहीं पहचान?

(क) 'मृतक मे जान डालने' और 'पाषाण के पिघलकर जल बनाने' का आशय स्पष्ठ कीजिये।

(ख) अनिमेष देखने का अर्थ स्पष्ट करते हुए लिखिए कि छोटे बच्चे ऐसा क्यों करते हैं।

(ग) शेफालिका के फूल झरने का क्या तात्पर्य है? कवि बाँस या बबूल की संज्ञा किसे दे रहा है और क्यों?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 - 40 शब्दों में लिखिए: **[2x4=8]**

(क) दाम-लक्ष्मण-परशुराम संबाद में संबाद लक्ष्मण और परशुराम के बीच चल रहा था जबकि राम मूकदर्शी थे। राम का मौन उनके स्वभाव की कौन-सी विशेषताओं को उजागर करता है?

(ख) 'उत्साह' कविता में कवि का कोमल ह्रदब और क्रांतिकारी रूप दोनों दिखते हैं, यह कैसे कहा जा सकता है?

(ग) 'मृगतृष्णा' से आप क्या समझते हैं? ‘छाया मत छूना' में वह किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है?

(घ) “'संगतकार' की मनुष्यता उसका निर्धारित कर्तव्य ही है, न कि कोई महानता“ -

इससे सहमत या असहमत होते हुए तर्क सहित अपने विचार व्यक्त कीजिए।

गोपियों के माध्यम से सूरदास ने निर्गुण भक्ति पर कृष्ण-भक्ति को बेहतर साबित किया है - इस पर टिप्पणी कीजिए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए: **[3x2=6]**

(क) 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित खेलों से आज के खेल कितने अलग हैं, इसका तुलनात्मक वर्णन कीजिए।

(ख) पहाड़ी लोगों का जीवन मैदानी जीवन से अधिक संघर्षपूर्ण होता है। 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ग) "'जॉर्ज पंचम की नाक' में मूर्तिकार एक अवसरवादी व्यक्ति है जो सबको मूर्ख बनाकर अपना उल्लू साध रहा है।" तर्क सहित पुष्टि कीजिए।

खण्ड घ

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 - 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए: **[10]**

(क) विद्यालयों की ज़िम्मेदारी - बेहतर नागश्कि-बोध

- व्यक्तित्व निर्माण में विद्यालव का स्थान
- राष्ट्र और समाज के प्रति उत्तरदायित्व
- नागरिक अधिकारएं-कर्तव्यों का बोध

(ख) सोशल मीडिया और किशोर

- सोशल मीडिया: तात्पर्य और विभिन्न प्रकार
- किशोरों के आकर्षण-बिंदु
- वर्तमान समय में सोशल मीडिया का प्रचलन और प्रभाव

(ग) यात्राएँ: अनुभव के नए क्षितिज

- यात्रा: क्या, क्यों, कैसे?
- यात्राओं से अनुभवों की व्यापकता
- यात्राओं का सभ्यता के विकास में योगदान

12. आप एक रिश्तेदार को देखने किसी अस्पताल में गए और वहाँ रख-रखाव और सफ़ाई में बहुत सारी कमियाँ दिखीं। ध्यान दिलाने पर कर्मचारियों ने दुर्व्यवहार किया। इसकी शिकायत मुख्य-चिकित्सा, अधिकारी से करते हुए उचित कारवाई करने की माँग करते हुए 80 - 100 शब्दों में पत्र लिखकर कीजिए।

अथवा

किसी मुद्दे पर आपका अपने मित्र से मतभेद हो गया है | उसे 80 - 100 शब्दों में प्रत्र लिखकर अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए बताइए कि यह मित्रता आपके लिए क्या महत्व रखती है।

13. सर्व शिक्षा अभियान के तहत ‘वयस्क साक्षरता मिशन 2020’ के लिए एक विज्ञापन 25 - 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

अथवा

आपकी पुरानी साइकिल अब आपके लिए छोटी पड़ रही है। उसे बेचने के लिए कोई आकर्षक विज्ञापन 25 - 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

Vedantu PRO LITE

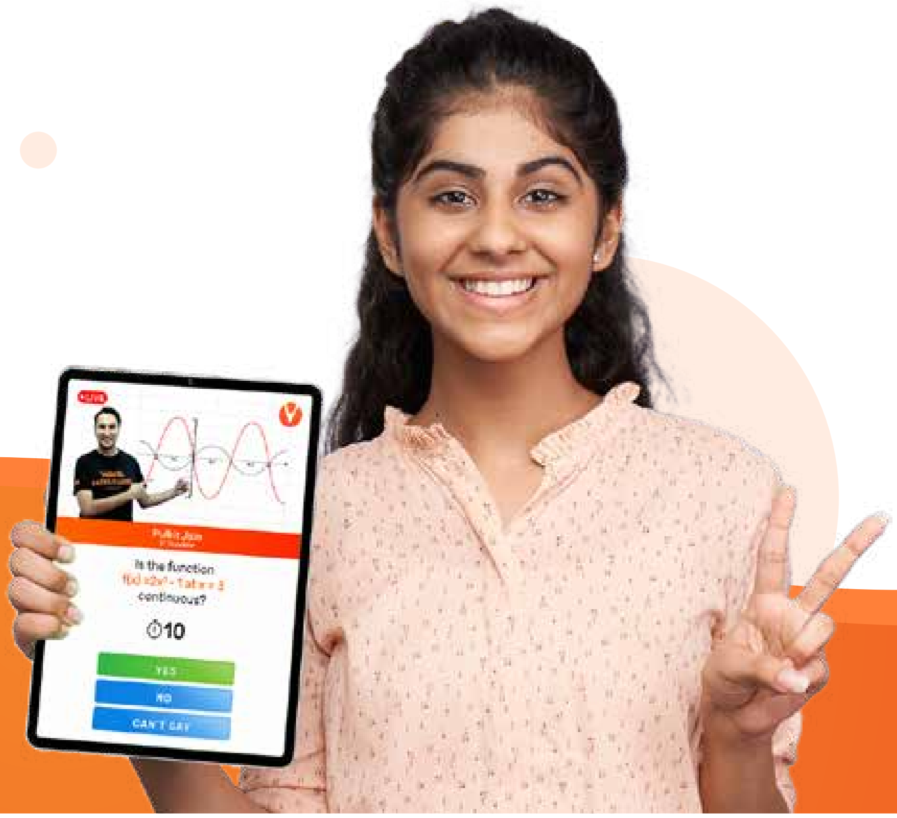

Access of Full Syllabus Course

Crash Course to Revise Entire Syllabus

Test Series and Assignment

Chapter Wise Course to help you master One chapter

Notes & Recordings of every class

Unlimited In-class Doubt Solving

Use **VPROP** & Get Extra **20% OFF**

Subscribe Now

https://vdnt.in/VPROPDF

GRADES 6-12 | CBSE | ICSE | JEE | NEET

Vedantu
Learn LIVE Online

Download
Vedantu Learning APP

- Free LIVE MasterClasses
- Unlimited Access to Study Materials
- Specially Designed Tests

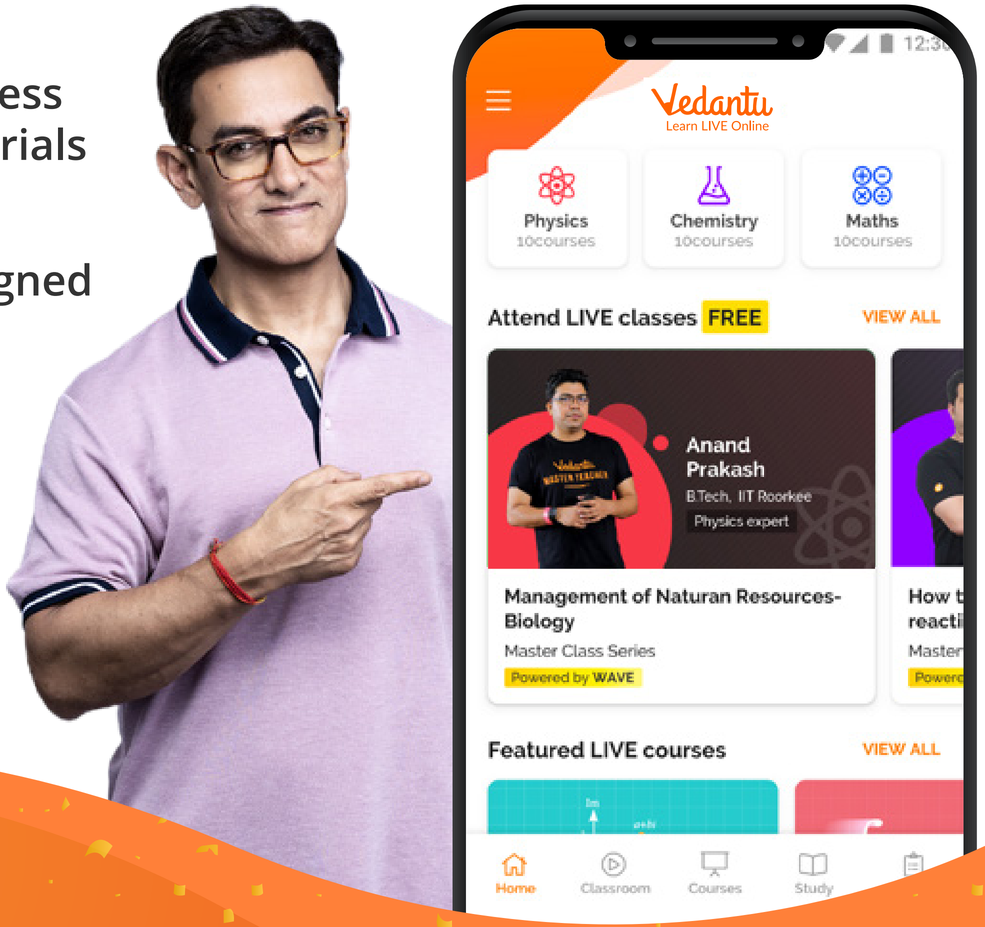

Google Play
Best of 2019 Winner

USER'S CHOICE
APP AWARD 2019

Category
Everyday Essentials

DOWNLOAD THE APP

GET IT ON Google Play

Download on the App Store

WWW.VEDANTU.COM

Vedantu
Learn LIVE Online

Thank You
for downloading the PDF

Samajh Aayega toh
Maza Aayega!!

Vedantu
FREE MASTER CLASS SERIES

- For **Grades 6-12th** targeting **JEE, NEET, CBSE, ICSE** & many more
- **Free 60 Minutes LIVE Interactive** classes everyday
- Learn from India's **Best Master Teachers**

Register for **FREE**

Limited Seats!

W W W . V E D A N T U . C O M